कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय: बेरोजगारी का खतरा या पुनः कौशल विकास और उच्च कौशल विकास के माध्यम से बेहतर रोजगार के अवसर

AI बनाने में सफलता मानव इतिहास की सबसे बड़ी घटना होगी। दुर्भाग्य से, यह आखिरी भी हो सकती है जब तक कि हम जोखिमों से बचना नहीं सीख लेते।"

-स्टीफन हॉकिन्स

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) वह कंप्यूटर विज्ञान है जो बुद्धिमान मशीनों के निर्माण पर बल देता है जो मनुष्यों की तरह काम करती हैं और प्रतिक्रिया करती हैं। यह निर्णय लेने के लिये मानव संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं की नकल करने के लिये कंप्यूटर का उपयोग करता है। AI को विभिन्न गतिविधियों को करने के लिये डिज़ाइन किया गया है जिसमें भाषण पहचान, सीखना, योजना बनाना, समस्या समाधान शामिल हैं।

जब नौकरियों की बात आती है तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय **दोधारी तलवार की तरह** है । कुछ पदों के स्वचालित होने के बारे में वैध चिंताएँ हैं, लेकिन यह मानने के भी कारण हैं कि इससे नए अवसर पैदा होंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय अगले दशक में अधिकांश लोगों को बेहतर बना देगा, लेकिन कई लोगों को इस बात की चिंता है कि AI में प्रगति मानव होने, उत्पादक होने और स्वतंत्र इच्छा का प्रयोग करने के अर्थ को कैसे प्रभावित करेगी।

ऐसा लगता है कि AI कार्यस्थल पर बर्नआउट के समाधान के रूप में उभर रहा है, जिसमें 55% लोगों को अवसर दिख रहे हैं और 75% नेताओं का मानना है कि AI के साथ काम करना आसान हो सकता है। जबकि कुछ लोगों को यह आशंका है कि AI मानव श्रमिकों का स्थान ले सकता है, वहीं यह धारणा भी बढ़ रही है कि AI वास्तव में कार्यस्थल पर रिश्तों को बेहतर बना सकता है और AI हमारे कार्य की गतिशीलता को बदलने तथा सभी के लिये एक उत्पादक वातावरण बनाने का एक महत्त्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

फोर्ब्स के प्रकाशन के अनुसार , लगभग **47% नौकरियाँ** इस श्रेणी में आती हैं, लेकिन यह आँकड़ा भिन्न हो सकता है क्योंकि ये चीजें अन्य कारकों से भी प्रभावित होती हैं, जैसे कि **उद्योग के बजट नियम, राजनीतिक राय** और इस मामले पर **पेशेवर** राय और निश्चित रूप से, सामाजिक प्रतिरोध।

नौकरी बाजार की संस्कृति बहुत बहस का विषय है। कुछ लोगों का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उदय से भविष्य में बेरोज़गारी होगी, जबकि अन्य का मानना है कि जो लोग पुनः कौशल के विकास और उच्च कौशल के विकास (अपस्किलिंग या रीस्किलिंग) के लिये तैयार हैं, उनके लिये नए अवसर होंगे। जो लोग मानते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उदय से भविष्य में बेरोज़गारी होगी, वे इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि बहुत सी नौकरियाँ पहले से ही मशीनों द्वारा प्रतिस्थापित की जा रही हैं। उदाहरण के लिये, एटीएम ने बैंकों में टेलर की जगह ले ली है और सेल्फ-चेकआउट मशीनों ने किराने की दुकानों में कैशियर की जगह ले ली है।

जो लोग मानते हैं कि जो लोग पुनः कौशल के विकास और उच्च कौशल के विकास के लिये तैयार हैं, उनके लिये नए अवसर होंगे, वे इस तथ्य की ओर इशारा करते हैं कि इतिहास में हमेशा ऐसा ही होता रहा है। जैसे-जैसे तकनीक आगे बढ़ी है, पुरानी नौकरियों की जगह नई नौकरियाँ सृजित हुई हैं। उदाहरण के लिये, जब ऑटोमोबाइल का आविष्कार हुआ तो मैकेनिक और असेंबली लाइन वर्कर्स के लिये नौकरियाँ पैदा हुईं। इसी तरह जब कंप्यूटर का आविष्कार हुआ, तो प्रोग्रामर और सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के लिये नौकरियाँ सृजित हुईं।

विश्व आर्थिक मंच ने अपने **पायनियर्स ऑफ चेंज समिट में** बल देकर कहा कि AI से डरने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि यह अंततः दीर्घकालिक नौकरी वृद्धि को बढ़ावा देगा। WEF की रिपोर्ट के अनुसार, COVID-19 महामारी ने कई कार्यों के स्वचालन को तेज कर दिया है, जिससे कुछ लोगों में AI द्वारा संभावित नौकरी विस्थापन के बारे में चिंताएँ पैदा हो गई हैं। हालाँकि, रिपोर्ट इस बात पर बल देती है कि AI वास्तव में नौकरी के अवसरों को खत्म करने की तुलना में अधिक उत्पन्न करेगा।

इसके अलावा **कोविड-19 महामारी** ने तकनीकी प्रगति और कई नियमित कार्यों के स्वचालन को गति दी है। इस माहौल में, कई लोग चिंतित हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आने वाले दशकों में महत्त्वपूर्ण स्वचालन को बढ़ावा देगी और नौकरियों को नष्ट कर देगी। कुछ दशक पहले, इंटरनेट ने जैसे-जैसे विकास किया, वैसे-वैसे इसी तरह की चिंताएँ पैदा कीं। संदेह के बावजूद, तकनीक ने लाखों नौकरियाँ पैदा कीं।

वर्तमान में, AI वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में और भी अधिक वृद्धि को उत्प्रेरित करने की दहलीज पर खड़ा है।**PwC के वार्षिक वैश्विक CEO सर्वेक्षण से** स्पष्ट है कि **63%** CEO का अनुमान है कि AI का इंटरनेट से कहीं अधिक गहरा प्रभाव होगा। चूँकि AI द्वारा संचालित **चौथी औद्योगिक क्रांति की** तकनीकें हमारी दुनिया और जीवनशैली को मौलिक रूप से नया रूप देने में लगी हुई हैं, इसलिये यह माना जा रहा है कि AI के कारण व्यापक बेरोजगारी नहीं होगी।

इसके विपरीत, AI तकनीक स्वचालित होने की तुलना में अधिक नौकरियाँ सृजित करने के लिये तैयार है।

PwC के वैश्विक कृत्रिम बुद्धिमत्ता अध्ययन के अनुसार, **2030 तक AI वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में अनुमानित $15.7 ट्रिलियन या 26% की वृद्धि लाएगा**। उत्पादकता में वृद्धि इस वृद्धि में लगभग 40% योगदान देगी जबकि खपत **सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का 60%** भाग लेगी।

विश्व आर्थिक मंच ने अपनी " **भविष्य की नौकरियों की रिपोर्ट 2020** " में अनुमान लगाया है कि 2025 तक **26 देशों में 85 मिलियन नौकरियाँ** खत्म हो जाएंगी, जबकि **97 मिलियन नई नौकरियाँ** सृजित होंगी। AI के उपभोग और उत्पादकता लाभों को अपनाने के लिये व्यवसायों और सरकारों को बड़े पैमाने पर पुनः कौशल विकास और उच्च कौशल विकास पहलों पर सहयोग करने की आवश्यकता होगी, ताकि कर्मचारियों को पुनः प्रशिक्षित करने और नई तथा भविष्य की नौकरियों के लिये तैयार करने में मदद मिल सके।

इस प्रवृत्ति के अनुसार, अगले कुछ वर्षों में, 3% नौकरियाँ संभावित रूप से AI द्वारा स्वचालित हो जाएँगी। **विश्व आर्थिक मंच** के अनुसार, अगले पाँच वर्षों में, सभी श्रमिकों में से आधे को बदलती और नई नौकरियों के लिये तैयार होने के लिये कुछ पुनः कौशल के विकास और उच्च कौशल के विकास (अपस्किलिंग या रीस्किलिंग) **की आवश्यकता होगी**।

तकनीकी परिवर्तन की तीव्र गति के लिये प्रशिक्षण के लिये नए मॉडल की आवश्यकता होती है जो कर्मचारियों को AI-आधारित भविष्य के लिये तैयार करते हैं। वास्तविक **अपस्किलिंग के लिये एक नागरिक-नेतृत्व वाले दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है जो AI-तैयार मानसिकता** विकसित करने के लिये नए ज्ञान को लागू करने पर केंद्रित हो। नियोक्ताओं को अपस्किलिंग और रीस्किलिंग को अपने संगठन के भविष्य में निवेश के रूप में देखना चाहिये, न कि खर्च के रूप में।

इस बात को ध्यान में रखते हुए कि दिग्गज कंपनी अमेज़ॅन ने पहले घोषणा की थी कि वह 2025 तक अमेरिका में श्रमिकों में 700 मिलियन डॉलर का निवेश करेगी, जिससे उच्च कुशल नौकरियों को प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

कई विशेषज्ञों ने स्वचालन के उदय को इतिहास में सबसे महत्त्वपूर्ण आर्थिक और सामाजिक विकासों में से एक बताया है। विश्व आर्थिक मंच (WEF) ने इसे चौथी औद्योगिक क्रांति की धुरी बताया है। इसके अलावा, अर्थशास्त्री एंड्रयू मैकफी ने कहा, "डिजिटल तकनीकें मानव मस्तिष्क शक्ति के लिये वही कर रही हैं जो औद्योगिक क्रांति के दौरान भाप इंजन और संबंधित तकनीकों ने मानव मांसपेशियों की शक्ति के लिये किया था। वे हमें कई सीमाओं को तेजी से पार करने और अभूतपूर्व गति से नए मोर्चे खोलने की अनुमति दे रहे हैं। यह बहुत बड़ी बात है। लेकिन यह वास्तव में कैसे सामने आएगा, यह अनिश्चित है।"

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उदय भविष्य के काम के लिये अवसर और चुनौतियाँ दोनों प्रस्तुत करता है। जबकि नौकरी के विस्थापन और सामाजिक निहितार्थों के बारे में चिंताएँ बनी हुई हैं, AI आर्थिक विकास को गति देने और रोज़गार के नए अवसर पैदा करने का भी वादा करता है। AI को अपनाने के लिये सक्रिय उपायों जैसे कि कौशल को पुनः प्राप्त करना और कौशल को बढ़ाना, व्यवसायों और सरकारों के बीच सहयोगात्मक प्रयास तथा प्रभावी नीतिगत ढाँचों के माध्यम से सामाजिक कल्याण पर ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। इन चुनौतियों को सोच-समझकर हल करके, समाज AI की परिवर्तनकारी क्षमता का दोहन कर सकता है और इसके नकारात्मक प्रभावों को कम करते हुए सभी के लिये अधिक न्यायसंगत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित कर सकता है।

“AI (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) हमारा मित्र हो सकता है”

—बिल गेट्स

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rise-of-artificial-intelligence